



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 375]
No. 375]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 22, 2003/वैशाख 2, 1925
NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 22, 2003/VAISAKHA 2, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 अप्रैल, 2003

सं. 7 (आर ई-2003)/2002-2007

का.आ. 459(अ).—समय-समय पर यथासंशोधित निर्यात-आयात नीति, 2002—2007 के पैराग्राफ 1.1 के साथ पठित विदेश व्यापार (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1992 की वारा 5 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार एतद्वाय एग्जाम नीति, 2002—07 (31-3-2003 तक यथासंशोधित) में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

- पैराग्राफ 38 के उप-पैराग्राफ 3 में, दूसरे वाक्य को संशोधित करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :
“पर्यटन विभाग, भारत सरकार के साथ पंजीकृत पर्यटन क्षेत्र में होटल (जिनके पास पर्यटन विभाग, भारत सरकार का श्री स्टार अथवा इससे उच्च श्रेणी का अनुमोदन हो) और अन्य सेवा प्रदायक पिछले तीन वर्षों में 10 लाख रुपए की न्यूनतम औसत विदेश मुद्रा अर्जन के तहत पिछले तीन वर्षों में उनके द्वारा अर्जित की गई औसत विदेश मुद्रा के 5% के बराबर शुल्क मुक्त आयात करने के हकदार होंगे।”
- पैराग्राफ 6.9 में, पहले पैराग्राफ को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :
“ईओयू/ईचटीपी/एसटीपी यूनिटों से डीटीए को की गई निम्नलिखित आपूर्तियाँ सकारात्मक एनएफई को पूरा करने के प्रयोजन के लिए गिनी जाएगी।”

- पैराग्राफ 5.1 में, दूसरे उप पैराग्राफ को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :
“फिर भी, ईपीसीजी लाइसेंसों के मामले में, जहाँ 100 करोड़ रु. या इससे अधिक के मूल्य का शुल्क बचाया गया है, 12 वर्षों की अवधि में निर्यात दायित्व पूरा किया जाना अपेक्षित है।”

- पैराग्राफ 3.7.2 में उल्लिखित शब्द और अभिव्यक्ति 'औसती' को हटा दिया जाएगा।
- पैराग्राफ 7.9 (क)(4) को ठीक करके निम्नानुसार पढ़ा जाएगा :
“उपर्युक्त के बावजूद डीटीए आपूर्तिकर्ता से उपयुक्त डिस्कलेमर प्रस्तुत करने पर, एसईजैड यूनिट/एसईजैड विकासक, ऊपर उल्लिखित हकदारियाँ प्राप्त करने के लिए हकदार होंगे।”

इसे लोकहित में जारी किया जाता है।

[पं. सं. 01/94/180/13/ए एम 04/पी सी-4]

एल. मानसिंह, महानिदेशक, विदेश व्यापार एवं पदेन अपर सचिव

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd April, 2003

NO.7(RE 2003)/2002—2007

S.O. 459(E).—In exercise of powers conferred under Section 5 of the Foreign Trade (Development and Regulation) Act, 1992 read with Paragraph 1.1 of the Export and Import Policy, 2002—2007, as amended from time to time, the Central Government hereby makes the following amendments in Exim Policy, 2002—07 (as amended upto 31-3-2003) :—

1. In sub paragraph 3 of paragraph 3.8, the second sentence shall be corrected to read as under:

“Hotels (having approval as three star or above categories by the Department of Tourism, Government of India) and other service providers in tourism sector registered with Dep'tt. of Tourism, Government of India shall be entitled for duty free imports equivalent to 5% of the average foreign exchange earned by them in the preceding three years subject to a minimum average foreign exchange earning of Rs. 10 lakhs in the preceding three years”.

2. In paragraph 6.9, the first paragraph may be corrected to read as under:

“Following supplies effected from EOU/EHTP/STP units to DTA will be counted for the purpose of fulfilment of positive NFE”

3. In paragraph 5.1, the second sub paragraph may be corrected to read as under:

“However, in respect of EPCG licences with a duty saved value of Rs. 100 crore or more, the same export obligation shall be required to be fulfilled over a period of 12 years”

4. The word and expression ‘average’ appearing in paragraph 3.7.2 shall be deleted.

5. Paragraph 7.9 (a) (iv) may be corrected to read as under :—

“Notwithstanding the above, SEZ units/SEZ developer shall, on production of a suitable disclaimer from the DTA supplier, be eligible for obtaining the entitlements specified above”

This issues in public interest.

[F.No.01/94/180/13/AMO4/PC-IV]

L.MANSINGH, Director
General of Foreign Trade and EX.Officio Addl. Secy.